

INDUCTION OF C-130

The Indian Air Force's C-130J Super Hercules is an Advanced Mobility Special Operations Platform with maximum payload capacity of 20 Tonnes. It is a highly sophisticated platform primarily designed to support India's Special Operations requirements. The IAF inducted this aircraft in January 2011 and it is ideally suited to India's mission environment which often involves operations from Advanced Landing Grounds (ALGs) located at high elevations under adverse weather conditions.

The Super Hercules is a versatile platform and is equipped with state of the art avionics, navigation and advanced defensive suite. This aircraft is utilised to undertake diverse roles across varied terrain in extreme weather conditions. Modern electro-optical infra-red pod, glass cockpit, head-up displays, in-flight refueling probe, enhanced cargo handling system and external fuel tanks are an integral part of this aircraft. It has a unique feature of automated formation flight wherein 36 aircraft can be flown in formation with Station Keeping Equipment. The aircraft can also be used for mass troop deployment, Special Operations, Air to Air refueling and Humanitarian Assistance & Disaster Relief (HA/DR). Its superior onboard navigation technology enables it to perform precision low level tactical flying, supply & personnel airdrop and assault landing in adverse conditions. The platform is capable of undertaking ultra-low level missions to augment ground forces with airdrop of troops and material. The aircraft offers fully automated independent precision approach under dark night conditions with support of Night Vision Devices.

The aircraft created history on 20 August 2013 when it was landed at Daulat Beg Oldie, a strategically placed Advanced Landing Ground. This landing with high all-up weight at an elevation of 16614 ft above mean sea level made an entry into 'Limca Book of World Records' as 'Heaviest Aircraft to Land at the Highest Airfield'. This boosted the morale of not only the pilots but also the ground forces.

Since induction, C-130J has been employed as one of the main aircraft for the IAF transport operations within and outside the confines of the Indian subcontinent.

In 2013, as floods wreaked havoc in Uttarakhand, the aircraft was extensively utilised in disaster relief operations termed Operation Rahat. In addition to evacuating distressed personnel, the aircraft was also used as an innovative Fuel Bridge at a semi-prepared airfield named Dharasu. This proved vital in sustaining prolonged helicopter operations in Uttarakhand valley towards HA/DR.

The other HA/DR missions, in which Super Hercules was used, include relief operations in Philippines post Cyclone 'Haiyan', Vishakhapatnam post Cyclone 'Hud Hud' and flood relief operations in Myanmar and Chennai. In September 2014, Srinagar valley was hit by torrential rains and flooding of Jhelum River. The C-130J was brought into action at short notice thereby becoming a part of the largest humanitarian aid operation termed Operation Megh Rahat. In 2015, the IAF used the Super Hercules to airlift necessary recovery equipment to Kathmandu. This was in the wake of the crash landing of a Turkish Airlines aircraft which left the busy Kathmandu runway unusable by any other aircraft. Barely a month later, when a devastating earthquake struck Nepal, India was the first country to send its C-130J for rescue operations. More than 600 passengers were evacuated and relief material was flown in.

The capabilities of the C-130J Super Hercules allow it to be used towards projection of IAF's potential in any part of the globe to protect our National interests. This versatile and potent platform is operated by thorough professionals and is located at Air Force Station Hindan. Upholding the true spirit of the professionalism of the IAF, the aircraft indeed does proudly 'Touch the Sky with Glory'.

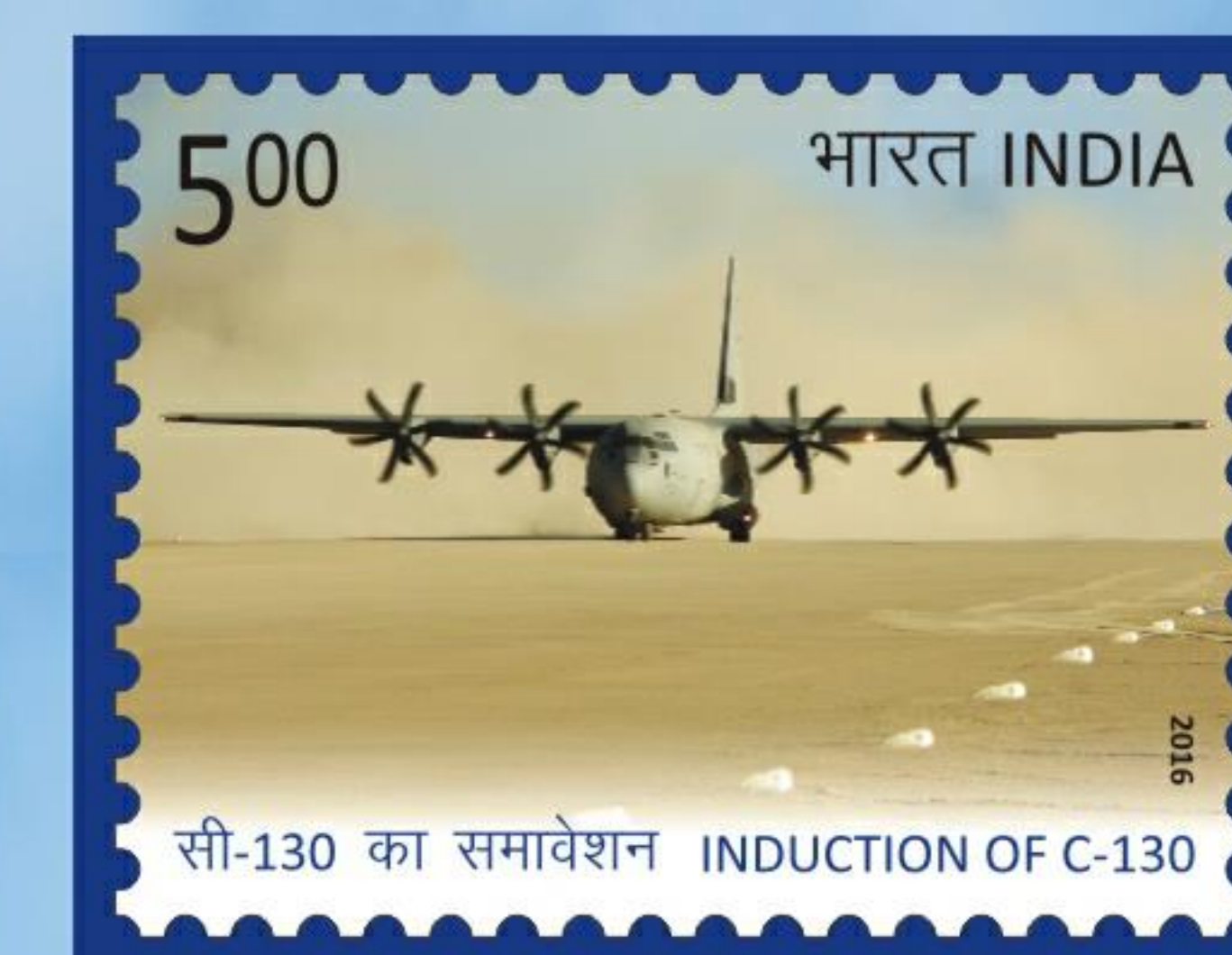
Department of Posts is pleased to release a Commemorative Postage Stamp on Induction of C-130J.

Credits:-

Text : Based on the material received from proponent

Stamp/FDC/ Cancellation Cachet : Smt. Nenu Gupta

भारतीय डाक विभाग DEPARTMENT OF POSTS INDIA



सी-130 का समावेशन INDUCTION OF C-130

सी-130 को भारतीय वायु सेना में शामिल करना

भारतीय वायु सेना का सी-130 जे सुपर हरक्यूलिस वायुयान एक 'एडवांस्ड मोबिलिटी स्पेशल ऑपरेशन्स प्लेटफॉर्म' है। इसकी अधिकतम मालवाहक क्षमता 20 टन है। यह अत्याधुनिक वायुयान है जिसे भारत की विशेष ऑपरेशन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ही बनाया गया है। भारतीय वायु सेना ने जनवरी, 2011 में इस वायुयान को अपने बेड़े में शामिल किया। यह भारतीय परिवेश के लिए अत्यंत उपयुक्त है जिसमें प्रायः अत्यधिक ऊंचाई वाले स्थानों और प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियों में एडवांस्ड लैंडिंग ग्राउंड से ऑपरेशन्स करने पड़ते हैं।

सुपर हरक्यूलिस एक बहुमुखी वायुयान है। यह अत्याधुनिक उड़ान उपकरणों, नौचालन तथा उन्नत रक्षात्मक प्रणाली से सुसज्जित है। इस वायुयान का अत्यंत प्रतिकूल मौसम में विविध प्रकार के भूभागों में विभिन्न भूमिकाएं निभाने के लिए प्रयोग किया जाता है। आधुनिक इलेक्ट्रो ऑप्टिकल इंफ्रा रेड पॉड, ग्लास कॉकपिट, हैड-अप डिस्प्ले, उड़ान के दौरान ईंधन भरने की क्षमता, एनहेंस्ड कार्गो हैंडलिंग सिस्टम तथा बाह्य ईंधन टैंक इस वायुयान के अभिन्न अंग हैं। इसमें उड़ान के दौरान स्वचालित विरचना बनाने की विलक्षण विशेषता है जिसमें 36 वायुयान स्टेशन कीपिंग इक्विपमेंट की मदद से एक विरचना (फॉर्मेशन) में उड़ान भर सकते हैं। इस वायुयान का बड़े पैमाने पर सेना की तैनाती, विशेष ऑपरेशनों, हवा से हवा में पुनः ईंधन भरने तथा मानवीय सहायता तथा आपदा राहत के लिए भी प्रयोग किया जा सकता है। यह अपनी बेहतरीन ऑन बोर्ड नौचालन प्रौद्योगिकी के बल पर प्रतिकूल स्थितियों में अत्यंत परिशुद्धता के साथ काफी नीची सामरिक उड़ान भरने, सामान और कार्मिकों को एयर ड्रॉप करने तथा असॉल्ट लैंडिंग कर सकता है। यह सैनिकों और सामग्री एयरड्रॉप करने के साथ जमीनी सेनाओं को सहायता प्रदान करने के लिए अत्यंत नीची उड़ान भरने में सक्षम है। यह वायुयान रात्रि दृष्टि उपकरणों (नाइट विजन डिवाइसों) की सहायता से घनी अंधेरी रात में अत्यंत परिशुद्धता के साथ उतरने में पूर्णतः सक्षम है।

इस वायुयान ने 20 अगस्त, 2013 को उस समय इतिहास रच दिया जब यह लद्दाख स्थित दौलत बेग ओल्डी में सामरिक दृष्टि से एडवांस्ड लैंडिंग ग्राउंड पर उतरा। इस भारी-भरकम वायुयान ने समुद्र तल से 16614 फुट की ऊंचाई पर लैंडिंग करके एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया जिसके लिए इसे 'सबसे ऊंची हवाई पट्टी पर लैंड करने वाले सबसे भारी वायुयान' के रूप में 'लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' में स्थान दिया गया। इस उपलब्धि ने न केवल हमारे पायलटों बल्कि जमीनी सेनाओं का भी मनोबल ऊंचा किया।

भारतीय वायु सेना में शामिल किए जाने के समय से सी-130 जे वायुयान को भारत और भारतीय उपमहाद्वीप में भारतीय वायु सेना से परिवहन

ऑपरेशनों के लिए मुख्य वायुयान के रूप में काम में लाया गया। वर्ष 2013 में उत्तराखंड में आई बाढ़ ने राज्य में जान-माल के नुकसान के साथ सड़कों को भी तहस-नहस कर दिया था। इस वायुयान का आपदा राहत ऑपरेशनों में व्यापक स्तर पर प्रयोग किया गया था। इसे 'ऑपरेशन राहत' नाम दिया गया। आपदाग्रस्त लोगों को निकालने के अलावा, इस वायुयान को कच्ची हवाईपट्टी 'धरासू' पर उतारकर नूतन 'फ्यूल ब्रिज' के रूप में प्रयोग किया गया। इसने मानवीय सहायता/आपदा राहत के लिए उत्तराखंड घाटी में लंबे समय तक हेलिकॉप्टर ऑपरेशन जारी रखने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

अन्य मानवीय सहायता/आपदा राहत मिशन जिनमें हरक्यूलिस का प्रयोग किया गया उनमें फिलिपींस में आए चक्रवात 'हैयान', विशाखापट्टनम में आए चक्रवात 'हुद-हुद' एवं म्यांमार और चेन्नई बाढ़ राहत ऑपरेशन शामिल है। सितम्बर, 2014 में श्रीनगर घाटी में हुई मूसलाधार बारिश के कारण झेलम नदी में बाढ़ आ गई थी। सी-130 जे वायुयान को बहुत ही कम समय में सबसे बड़े मानवीय सहायता ऑपरेशन यानि 'ऑपरेशन मेघ राहत' का कार्यभार सौंपा गया। वर्ष 2015 में तुर्की एयरलाइंस का विमान लैंड करते समय क्रैश हो गया जिसकी वहज से अत्यंत व्यस्त काठमांडू रनवे अवरूद्ध हो गया। इसी अवरोध को दूर करने के लिए सुपर हरक्यूलिस को आवश्यक रिकवरी उपस्कर लेकर काठमांडू भेजा गया। अभी एक ही महीना बीता था की नेपाल में विनाशकारी भूकंप ने तबाही मचा दी। भारत ही एकमात्र ऐसा पहला देश था जिसने बचाव ऑपरेशनों के लिए अपने सी-130 जे को भेजा। इसने 600 से अधिक फंसे हुए यात्रियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया और राहत सामग्री भी पहुंचाई।

सी-130 जे सुपर हरक्यूलिस वायुयान की क्षमता के कारण इसका हमारे राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा करने के लिए दुनिया के किसी भी हिस्से में भारतीय वायु सेना की क्षमता साबित करने के लिए प्रयोग किया जा सकता है। इस बहुमुखी और शक्तिशाली वायुयान को पेशवरों द्वारा उड़ाया जाता है। यह वायु सेना स्टेशन हिंडन में स्थित है। वास्तव में यह वायुयान भारतीय वायु सेना की पेशेवर भावना को कायम रखते हुए आदर्श वाक्य 'नभः स्पर्श दीप्तम' को चरितार्थ करता है।

डाक विभाग सी-130 जे सुपर हरक्यूलिस वायुयान को भारतीय वायु सेना में शामिल किए जाने पर स्मारक डाक-टिकट जारी करके प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार:-

मूलपाठ : प्रस्तावक द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री पर आधारित

डाक टिकट/प्रथम दिवस आवरण/ विरूपण : श्रीमती नीनू गुप्ता



तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	:	500 पैसा
Denomination	:	500 p
मुद्रित डाक-टिकटें	:	401590
Stamps printed	:	401590
मुद्रण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	:	Security Printing Press, Hyderabad

The above philatelic items are available for sale at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक-टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास हैं।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the stamp, first day cover and information brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 5.00